सीसीआरएएस-सीएआरआई, झाँसी को एनएबीएल की मान्यता

चर्चा में क्यों?

22 दसिंबर, 2022 को आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदीय वज्ञिान अनुसंधान परषिद् (सीसीआरएएस) के तहत प्रमुख संस्थान केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी को एनएबीएल की आधकिारकि मान्यता मलि गई।

प्रमुख बदिु

- केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी (उत्तर प्रदेश) सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय के प्रमुख संस्थानों में से एक है, जसिमें अत्याधुनकि गुणवत्ता नयिंत्रण प्रयोगशालाएँ (रसायन वज्ञिान, सूक्ष्म जीव वज्ञिान, फार्माकोग्नॉसी), आयुर्वेदकि फार्मेसी, सेंट्रल हर्बेरयिम और संग्रहालय एवं नेशनल रॉ ड्रग्स रपिॉजटिरी (एनआरडीआर) हैं।
- केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी के अलावा केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), नई दल्लिी को एनएबीएच की आधकिारकि मान्यता मली है। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दल्लिी एनएबीएच की आधकिारकि मान्यता प्राप्त करने वाला सीसीआरएएस के तहत पहला संस्थान है।
- इन दो सीसीआरएएस संस्थानों के अलावा, पंचकर्म के लयि राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (एनएआरआईपी), चेरुथुरुथी, त्रशिूर, केरल को भी अपनी नैदानकि प्रयोगशाला सेवाओं के लयि एनएबीएल एम (ईएल) टी की आधकिारकि मान्यता प्राप्त है। एनएआरआईपी, केरल केंद्रीय आयुर्वेदकि वज्ञिान अनुसंधान परषिद, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत प्रमुख अनुसंधान संस्थाओं में से एक है।
- उल्लेखनीय है कि एनएबीएच भारतीय गुणवत्ता परषिद का मूल बोर्ड है, जसिकी स्थापना स्वास्थ्य सेवा संगठनों के मान्यता कार्यक्रमों को स्थापति करने और उन्हें चलाने के लयि की गई है। आधकिारकि मान्यता राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर रोगी सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रति करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nabl-accreditation-to-ccras-cari-jhansi